हिंदी (कक्षा 12)

सीखने के प्रतिफल	स्रोत/संसाधन	सुझावात्मक क्रियाकलाप/गतिविधियाँ (शिक्षकों द्वारा निर्देशित)
• सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सजगता को सृजनात्मक लेखन में अभिव्यक्त करते हैं। • परिवेशीय सजगता का विकास करते हुए अपने आस-पास के वेंडर, खेती-किसानी, मज़दूरों के प्रति संवेदना रखते हुए और भाषा प्रयोग में संवेदनशीलता और	• अभिव्यक्तिऔरमाध्यम http://ncert.nic.in/textbook/textbook.htm?kham1=0-16 • कविता शिक्षण https://www.youtube.com/watch?v=nILz_E1J7Ac	**पहला और दूसरा सप्ताह** करोना महामारी के समय में शारीरिक/सामाजिक दूरी बनाए रखते के लिए नई कहावते प्रयोग की जा रही हैं, जैसे— **सटे तो मिटे, पसंद नहीं कब्र तो घर पे करो सब्र।** ऐसे कुछ अन्य कहावतों को संकलित करें और आप स्वयं भी कुछ कहावतें, स्लोगन लिखने का प्रयास करें। • स्लोगन की लयात्मकता को ध्यान में रखते हुए कोई कविता लिखने का प्रयास करें। आप यह भी कर सकते हैं कि सुबह उठकर अपने आस-पास होने वाली गतिविधियों का बारीकी से अवलोकन करें और सभी गतिविधियों को ज्यों का त्यों अभिव्यत करें। यानि जैसा आपने देखा वैसा ही लिखने का प्रयत्न आप पाएँगे कि यह एक कविता का रूप ले चुकी है।

अभिव्यक्तकरते हैं। ● अपने समय और समाज में प्रयुक्त होने वाली भाषा और घटनाओं का विश्लेषण करते हैं।		हर बड़ा कवि भाषा से खेलते हुए यह करता रहा है। वह भाषा से खेलते हुए शब्दों को उलटता-पलटता है यानि अलग-अलग स्थानों पर नए-नए प्रयोग करके देखता है। साथ ही नए तरीके से वाक्य की संरचना कर नए अर्थ निर्माण करता है। यानी एक ही बात को कहने और लिखने के अलग-अलग तरीके ढूढ़ते हुए आप भी यह कर सकते हैं। ● सब्जीवाले, दूधवाले, अखबार वाले से बातचीत कर सकते हैं। कुछ बिंदु इस प्रकार हो सकते हैं— ✓ पहले और आजकल की आमदनी और खर्च में अंतर। ✓ लोगों तक सामान पहुँचाने की पूरी यात्रा के विवरण पर बातचीत। ✓ उनके जैसे अन्य सहयोगी की दिनचर्या जानने की कोशिश करना। ✓ शरीरिक दूरी का अपने जीवन में कैसे (सामाजिक दूरी) निर्वाह करते हैं। (जो आपको उचित लगे ऐसे कुछ अन्य बिंदु लें) **तीसरा और चौथा सप्ताह** ● अपने मोहल्ले को ध्यान में रखते हुए 'मोहल्ला लाइव' नाम से एक हफ्ते के सभी दिनों की डायरी लिखने की कोशिश करें। जिसमें इन बिंदुओं पर ज़रूर लिखें— ✓ लॉकडाउन के कारण बदलता परिवेश, आपसी रिश्ता, खान-पान,रहन-सहन और सामाजिक संपर्क के साधन। आप चाहें तो अपने घर-परिवार, मोहल्ले के लोगों से सामाजिक दूरी का पालन करते हुए बात कर सकते हैं। ● वर्तमान समय में घरेलू सहयोगियों के जीवन पर अपनी कल्पना से कोई लेख/कहानी/कविता लिख सकते हैं। ● ध्यान रहे कि जो कुछ आपने लिखा है उसे थोड़ा रुककर एक बार पढ़ें और जहाँ कही आवश्यक हो उसे संपादित भी करें। अपने लेखन का संपादन करते समय भाषा संबंधी गलतियों पर तो ध्यान देने के साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि आपकी लिखी हुई रचना लिखने के बाद सिर्फ आपकी नहीं रह जाती उसका एक पाठक भी होता है। यानी पाठक की संवेदनाओं, आवश्यकताओं, समस्याओं और अभिरुचियों पर भी आपका ध्यान जाना चाहिए।